SINDHU
www.sindhuchaupal.com
CHAUPAL
हर खबर आप तक

Thursday 15th February 2024 | जयप्रकाश बूलचंदानी 9649457589 | website: www.sindhuchaupal.com

पुज्य सिंधी पंचायत सेक्टर 28 और 29 प्रताप नगर के द्वारा श्री श्री रविशंकर आश्रम प्रताप नगर में एक सौ इक्कीस बटुको का उपनयन संस्कार(जनेऊ)

पुज्य सिंधी पंचायत सेक्टर 28 और 29 प्रताप नगर के द्वारा श्री श्री रविशंकर आश्रम प्रताप नगर में एक सौ इक्कीस बटुको का उपनयन संस्कार(जनेऊ) कराकर उन्हे धार्मिक जीवन मूल्यो के रक्षण संवर्धन हेतु संकल्पित कराया गया । कार्यक्रम में पावन तीर्थ श्री अमरापुर धाम की संत मंडली ने सभी बच्चों को आशीर्वाद दिया। संत श्री मोनूराम जी महाराज ने कहा: देवा एतस्यामवदन्त पूर्वे सप्तऋषयस्तपसे ये निषेदु: भीमा जन्या ब्राह्मणस्योपनीता दुर्धा दधति परमे व्योमन्।।अर्थात- तपस्वी ऋषि और देवतागणों ने कहा कि यज्ञोपवीत की शक्ति महान है। यह शक्ति शुद्ध चरित्र और कठिन कर्त्तव्य पालन की प्रेरणा देती है। इस यज्ञोपवीत को धारण करने से जीव-जन भी परम पद को पहुँच जाते हैं । उन्होने कहा यज्ञ हवन पूजन और अन्य धार्मिक अनुष्ठान हमारी धर्म संस्कृति और परम्पराओ की पहचान है।उन्होने कहा संस्कार के विना मनुष्य का जीवन भी पशुवत है.संस्कार ही हमे अपने गुण-दोष का बोध कराता है.समाज और राष्ट्र को अगर उच्च शिखर पर आसीन करना है तो हमे स्वयं और समाज को संस्कारवान बनाना होगा.हिन्दू धर्मानुरागी जन्म से लेकर अंतकाल तक विभिन्न संस्कारो से जुड़ा है.जिसके कारण ही आज वह और उसकी धार्मिक परम्पराये सुरक्षित ही नही जीवंत है.उन्होने कहा यज्ञोपवीतं परमं पवित्रं प्रजापतेर्यत्सहजं पुरस्तात्। आयुष्यमग्रयं प्रति मुञ्च शुभ्रं यज्ञोपवीतं बलमस्तु तेज:।। अर्थात- यज्ञोपवीत परम पवित्र है, प्रजापति ईश्वर ने इसे सबके लिए सहज बनाया है। यह आयुवर्धक, स्फूर्तिदायक, बन्धनों से छुड़ाने वाला एवं पवित्रता,बल और तेज देता है। उन्होने कहा धार्मिक परम्पराओ को अक्षुण रखने के लिए ही हमारे पर्वजो ने विभिन्न संस्कारो को स्थापित किया ! यह शास्त्रों के अनुसार दसवां संस्कार माना जाता है ! जनेऊ संस्कार 10 से 15 वर्ष तक की उम्र में कर देना चाहिए ! जनेऊ के नियमो अच्छी तरह से पालन करना चाहिए! इसका पालन हमारा कर्तव्य है। संतो ने कहा :- उपनयन संस्कार अर्थात उप यानी यानी नया नयन माने जीवन , आज से तुम्हारा नया जन्म प्रारंभ हुआ है ! बड़ो की आज्ञा एवम सेवा करना है ! प्रतिदिन माता पिता गुरुजनों को प्रणाम करना है ! संस्कार के बाद बच्चो को जनेऊ सदेव धारण करना चाहिए ! पंडित विजेंदर जी ने विधि विधान से बच्चों का उपनयन संस्कार करवाया !! इस अवसर पर साईं गुलराज उदासी जी के द्वारा बहिराना साहिब की उपासना और सत्संग किया गया । पूज्य सिंधी पंचायत समिति सेक्टर 28 29 प्रताप नगर सांगानेर जयपुर अध्यक्ष देवानंद कौर जानी महासचिव सुनील कुमार नथनी कोषाध्यक्ष मनोज कुमार तुलसी, राहुल रिजवानी, सुंदर कुमार लालवानी गोविंद राम सोडाणी सुरेश बदलनी अनिल कुमार गुरनानी,चेटीचंड सिंधी मेला समिति जयपुर ग्रेटर के अध्यक्ष महेश हरदासानी कोषाध्यक्ष के.एल. बाबू परसनानी छबल दास नवलानी सुरेश हंसराजानी, रमेश कुमार मोटवानी, श्याम कोरानी जी ,सोनिया उघानी जी, गोविंद राम सोडाणी जी, अशोक रोचवानी जी, वासुदेव हासनानी जी ,भगवान दास चतवानी, किशन चंद मेठवानी, अशोक गंगवानी, ईश्वर बच्चानी ,हरीश कुमार मखीजा भारतीय सिंधु सभा नारायण दास नाजवानी उपस्थित रहे।

खबरें भेजने के लिए और मात्र ₹1000 में अपना विज्ञापन करने के लिए संपर्क करें जयप्रकाश बूलचंदानी -9649457589